आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

# दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 309 | उज्जैन, रविवार 28 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

# गरीब कल्याण और प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिये हो रहे हैं योजनाबद्ध तरीके से कार्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## राज्य सरकार के पास किसानों की बेहतरी के लिये राशि की कोई कमी नहीं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गरीब कल्याण के साथ चहुँमुखी विकास के लिये राज्य सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेशवासियों का जीवन बेहतर बनाने और किसानों की बेहतरी के लिये राशि की कमी नहीं होने दी जायेगी। आज बदलते दौर में भारत और भारत की ताकत को दुनिया देख रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान बन रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा जिले के कुरवाई में शनिवार आयोजित हिनौता सिंचाई परियोजना अंतर्गत जाजपोन पुनर्वास कॉलोनी एवं विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कुरवाई एवं विदिशा जिले के विकास के लिए 258 करोड रुपए की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 92 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत के 46 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 165 करोड रुपए की लागत के 34 कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 7 करोड़ 36 लाख रुपए की महत्वपूर्ण हिनौता बांध परियोजना भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित केन-बेतवा लिंक परियोजना के मॉडल का अवलोकन भी किया।

किसानों के लिए जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा कर प्रदेश में भावांतर योजना लागू कर दी गई है। इस साल सोयाबीन की फसल की बिक्री पर 5328 रुपए प्रति क्विंटल की राशि मिलेगी। किसानों को अंतर की राशि सरकार देगी, जिसका भुगतान उनके बैंक खातों में 15 दिन के अंदर कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा जिले में खराब हुई किसानों की फसलों का सर्वे कराया जाएगा। किसानों को राहत राशि, बीमा आदि का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम किसानों के लिए जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं। किसानों को सिंचाई के लिए कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

# छोटे परमाणु रिएक्टर की रेस में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत, रूस ने जताई सहयोग की इच्छा



नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग उद्योगों में जैसे-जैसे क्रांति ला रहे हैं, विश्वसनीय, स्वच्छ और स्केलेबल ऊर्जा की मांग बढ़ती जा रही है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों बनने लगे हैं। कॉम्पैक्ट न्यूक्लियर पावर यूनिट अब ग्लोबल एनर्जी के क्षेत्र में पसंदीदा बनते जा रहे हैं।

एसएमआर, दूर दराज द्वीपों को बिजली देने से लेकर डेटा सेंटर्स को ईंधन देने तक का काम करते है, जिसे परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अगली बड़ी चीज के रूप में देखा जा रहा है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों को भारत सिर्फ किनारे से देख ही नहीं रहा है, बल्कि अपना खुद का निर्माण भी कर रहा है, भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर। आज, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर दुनिया के लिए चर्चा का विषय हैं और चीन के लिए गर्व की बात हैं। समझिए क्या है एसएमआर?

एनडीटीवी के साथ एक विशेष बातचीत में, रूस के सरकारी परमाणु निगम रोसाटॉम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एलेक्जेंडर वोल्गिन ने एसएमआर की संभावनाओं और इस परिवर्तनकारी तकनीक पर भारत के साथ सहयोग करने के रूस के खुलेपन के बारे में बात की। डॉ. वोल्गिन ने बताया, जब हम एसएमआर की बात करते हैं, तो हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की बात कर रहे होते हैं।

# दलित छात्रों को सड़क पर चलने से रोका, बुजुर्ग महिला के खिलाफ मामला दर्ज

यूनिफॉर्म पहने और बैग पकड़े कुछ बच्चे शुक्रवार सुबह तंजावुर तालुक के कोल्लंगराई गांव की एक गली में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक बुजुर्ग महिला उन्हें डंडे से रोकती है और उन्हें इस रास्ते का इस्तेमाल न करने के लिए कहती है। तंजावुर तालुक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मामले प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तंजावुर में पुलिस ने एक महिला और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि दलित समुदाय के छात्रों के एक समूह को सड़क का इस्तेमाल करने से कथित तौर पर मना कर दिया गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वायरल वीडियो में, स्कूल

महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज- पुलिस अधिकारी ने शनिवार को पीटीआई को बताया, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। महिला और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच जारी है।

# यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण, मोहन भागवत ने जारी की संघ की ऑडियो रिकॉर्डिंग



नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की प्रार्थना भारत माता की वंदना और देश एवं ईश्वर के प्रति स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत संकल्प प्रत्येक स्वयंसेवक के दृष्टिकोण में होते हैं, लेकिन साझा मिशन और मूल्य संघ की प्रार्थना से ही उत्पन्न होते हैं, जिसका 1940 से स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिदिन पाठ किया जाता रहा है। प्रार्थना की भावना संकल्प की शक्ति है और यह मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है।

संघ प्रार्थना की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जारी - नागपुर के रेशिमबाग स्थित महर्षि व्यास सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भागवत ने प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन द्वारा गाई गई संघ प्रार्थना की ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की। अभिनेता सचिन खेडेकर, जाने-माने वॉयस-ओवर आर्टिस्ट व एंकर हरीश भिमानी और संगीतकार राहुल रानाडे भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। लंदन के स्टूडियो के साथ रिकॉर्ड किया गया गाना

यह गीत लंदन के एक स्टूडियो में रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ रिकार्ड किया गया था, जिसमें सभी विदेशी संगीतकार थे। महादेवन ने संगीतमय प्रस्तुति में अपनी आवाज दी, जबकि मराठी में खेडेकर ने और हिंदी में भीमानी ने वॉयस-ओवर के रूप में अपना स्वर दिया। आठ अलग-अलग भाषाओं में स्वर दिए गए।

# ये जुबीन का असम है, नेपाल नहीं बनने देंगे, CM हिमंता की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महंत और उनके मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं। फेसबुक लाइव में सरमा ने कहा कि दोनों को 6 अक्टूबर को गुवाहाटी आकर अपना बयान देना होगा, अन्यथा पुलिस उनकी तलाश में अभियान तेज कर देगी। उन्होंने कहा, ÷चूंकि दुर्गा पूजा उत्सव शुरू हो रहा है, हम नहीं चाहते कि वे अभी आएं। लेकिन दशमी के बाद उन्हें आना ही होगा। उन्हें 6 अक्टूबर को गुवाहाटी आकर अपना बयान दर्ज कराना होगा।

सीआईडी के सामने पेश नहीं होना है तो अदालत जाओ- मुख्यमंत्री ने कहा, अगर वे सीआईडी के समक्ष पेश नहीं होना चाहते हैं, जो 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से गर्ग की मौत की घटनाओं की जांच कर रही है तो वे अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

मामले की जांच को लेकर सीएम सरमा ने दी जानकारी- उन्होंने आगे कहा कि महंत के बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड फ्रीज कर दिए गए हैं ताकि वह ज्यादा देर तक बाहर न रह सकें। सरमा ने कहा कि सरकार सिंगापुर से गर्ग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मंगवाने की प्रक्रिया में है और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में किए गए दूसरे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी तैयार है।

# क्या आपके शहर के नाम के पीछे भी लगा है पुर या बाद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने सफर के दौरान अक्सर शहरों के नाम के पीछे पुर या बाद लगा हुआ देखा होगा, जैसे रामपुर, कानपुर, जलालाबाद, मुरादाबाद। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर शहरों के नामों के पीछे पुर या बाद क्यों लगा होता है? आइए जानते हैं।

पुर का आशय शहर या किला से होता है। संस्कृत भाषा से लिया गया ये शब्द प्राचीन काल में इस्तेमाल होता था। पुर शब्द का इस्तेमाल ऋग्वेद काल से होता आ रहा है, उदाहरण के लिए महाभारत में हस्तिनापुर जैसे शहरों का नाम मिलता है। मौजूदा समय में भारत में कई शहर ऐसे हैं जिनके पीछे पुर लगा हुआ है।

# सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल में किया बंद तो बाहर समर्थक का हंगामा, भूख हड़ताल की दी धमकी



नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (ह्न) के तहत गिरफ्तार किए गए लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राजस्थान की जोधपुर जेल में शिफ्ट किया गया है। यह जेल अपनी श्री-लेवर सिक्योरिटी के लिए जानी जाती है। अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक को अलग बैरक में रखा गया है, जहां लगातार सीसीटीवी कैमरों से निगरानी कि जाएगी।

ब्रिटिश काल में बनी जोधपुर जेल में अब तक कई हाई-प्रोफाइल कैदी बंद रहे हैं। 1998 काला हिरण शिकार मामले में दोषी ठहराए गए बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान, दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद आसाराम बापू, इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े कई आतंकवादी और जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता अब्दुल गनी लोन भी इस जेल में बंद थे। फिलहाल इस जेल में करीब 1400 कैदी बंद हैं।

सोनम वांगचुक जोधपुर जेल में शिफ्ट- सोनम वांगचुक को कड़ी सुरक्षा के बीच जोधपुर सेंट्रल जेल लाया गया, इस दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती की गई और साथ में जोधपुर पुलिस कमिश्नर भी मौजूद थे।

जोधपुर जेल के बाहर हंगामा- कड़ी सुरक्षा के बीच सोनम वांगचुक को जब जोधपुर जेल में शिफ्ट किया गया तो उनका एक समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में जेल के बाहर हंगामा करने लगा और भूख हड़ताल की धमकी देने लगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विजयपाल सिंह सुबह करीब 10-20 बजे भारत माता की जय के नारे लगाते हुए जेल पर गेट कर पहुंच गए।

वांगचुक समर्थन ने दी भूख हड़ताल की धमकी- जब पुलिस ने उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की तो उन्होंने धमकी दी कि अगर उन्हें जबरन हटाया गया तो वे जेल के बाहर भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए उसे रतनदा पुलिस थाने ले गई।

वांगचुक पर विदेशी चंदा लेने का आरोप- लद्दाख में हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार सोनम वांगचुक पर नियमों का उल्लंघन कर विदेश से चंदा प्राप्त करने का भी आरोप है। इन्ही आरोपों के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को उनकी संस्था स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का विदेशी फंडिंग (एफसीआरए) का लाइसेंस रद कर दिया था।

# बांग्लादेश में कैसी चल रही है दुर्गा पूजा की तैयारी, क्या हैं हिंदुओं के लिए चुनौतियां?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में भक्ति, रंग और उत्सव का प्रतीक, दुर्गा पूजा, एक बार फिर सांस्कृतिक चर्चा के केंद्र में है। बांग्लादेश के लगभग 1.3 करोड़ हिंदूओं के लिए यह केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है।

ढाका से लेकर सिलहट और राजशाही से लेकर चटगांव तक, मां दुर्गा की मूर्तियां बनाई जा रही हैं, पंडाल सजाए जा रहे हैं, और परिवार अनुष्ठानों और भोज की तैयारी कर रहे हैं। ढाक, धूप और मंत्रों की ध्वनि आमतौर पर एकता और उत्सव का माहौल बनाती है।

लेकिन इस साल यह त्योहार चिंता का विषय लेकर आया है, क्योंकि शेख हसीना की सरकार के पतन और सांप्रदायिक हिंसा की लहर के बाद अल्पसंख्यक में डर का माहौल है।

अल्पसंख्यकों में ये डर अगस्त 2024 से शुरू हुआ जब, लगभग 15 सालों तक बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज शेख हसीना को छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के बीच सत्ता से बेदखल कर दिया गया। उनके जाने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया। लेकिन इस बदलाव ने अल्पसंख्यकों के लिए एक खौफनाक अध्याय का नया दौर शुरू कर दिया।

5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, अल्पसंख्यक समुदायों को केवल दो सप्ताह में 2,000 से अधिक हमलों का सामना करना पड़ा, जिनमें मंदिरों पर 69 हमले शामिल थे।

पांच हिंदुओं की हत्या कर दी गई तथा कई महिलाओं को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा; बर्बरता और लूटपाट व्यापक स्तर पर हुई।

सितम्बर और अक्टूबर में पबना और अन्य जिलों में मूर्तियों को तोड़ा गया।

खुलना में जबरन वसूली के पत्रों और धमकियों के कारण कुछ पूजा समितियों को अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

पुराने ढाका में पूजा पंडालों पर पेट्रोल बम फेंके गए, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भेंट किया गया देवी काली का मुकुट सतखीरा के जेशोरेश्वरी मंदिर से चोरी हो गया। इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास को 2024 में भगवा ध्वज फहराने के बाद राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी व्यापक रूप से धार्मिक स्वतंत्रता पर हमले के रूप में निंदा की गई थी।

बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के कारण एक धर्मनिरपेक्ष नेता को नाटकीय ढंग से देश क्यों छोड़ना पड़ा?

डर के माहौल में दुर्गा पूजा की तैयारी- बांग्लादेश में भय और डर के माहौल के बीच दुर्गा पूजा की तैयारियां चल रही हैं। 33,000 से ज्यादा मंडप बनाए जा रहे हैं, जिसमें से सैकड़ों राजशाही मंडप बनाए जा रहे हैं।

# H-1B वीजा देने में Amazon सबसे आगे, दूसरे नंबर पर है यह भारतीय कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की नागरिकता और आव्रजन सेवा के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में H-1B वीजा मंजूरी में अमेजन सबसे आगे रहा। ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन को 30 जून 2025 तक 10 हजार 44 वीजा मंजूरी मिली।

इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज दूसरे स्थान पर रही, जिसे 5505 वीजा मंजूरी मिली। वहीं माइक्रोसॉफ्ट 5189, मेटा 5123 और एप्पल 4202 तीसरे, चौथे और पांचवां स्थान पर रहे। ये सभी कंपनियां इंजीनियरिंग, रिसर्च और डेवलपमेंट जैसे विशेष क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों को नियुक्त करने के लिए H-1B प्रोग्राम का उपयोग करती है।

H-1B वीजा शुल्क में बढ़ोतरी

पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा के लिए सलाना 1 लाख डॉलर फीस लागू करने का एलान किया है। इस कदम से टोक्नोलॉजी सेक्टर को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि यह उद्योग भारतीय और चीनी पेशेवरों पर काफी हद तक निर्भर है।

ट्रंप ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया की आशंका जताते हुए कहा, मुझे लगता है कि वे बहुत खुश होंगे। हालांकि, टेक इंडस्ट्री में इस फैसले को लेकर चिंता गहराने लगी है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा, अगर आपको किसी को ट्रेन करना है तो हमारे बेहतरीन विश्वविद्यालयों से हाल ही में ग्रेजुएट हुए अमेरिकी छात्रों को ट्रेन करो। बाहर से लोगों को मत लाओ जो हमारी नौकरियां ले जाएं।

कितने प्रतिशत भारतीयों को मिला H-1B वीजा- बता दें, H-1B वीजा पाने वालों की सूची में भारत सबसे ऊपर बना हुए है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल भारत ने कुल 71% मंजूर हुए वीजा हासिल किए, जबकि चीन 11.7% के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

## इमरान खान सोशल मीडिया पर जेल से पोस्ट कर रहे, पत्रकार के सवाल पर फंसे पाक रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पिछले दिनों एक साक्षात्कार दिया। अब ये साक्षात्कार उनके लिए गले की फांस हो गया है। उन्होंने इस इंटरव्यू में कई ऐसे दावा किया कि इमरान खान अपना ट्विटर हैंडल जेल से ऑपरेट कर रहे हैं। वहीं, उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि उनके एक्स अकाउंट का संचालन भारत से किया जा रहा है।

जब पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इमरान खान को लेकर लेकर उनकी ही अलग-अलग दावे के बारे में सवाल किया गया, तो वह परेशान हो गए। अब अपने निराधार और विरोधाभासी आरोपों को लेकर कड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

इंटरव्यू देकर बुरे फंसे शरीफ के मंत्री- गौरतलब है कि पिछले दिनों ब्रिटिश-अमेरिकी पत्रकार मेहदी हसन ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का साक्षात्कार किया। इस दौरान आसिफ ने सबसे पहले दावा किया कि इमरान खान पाकिस्तान की अदियाला जेल से अपना ट्विटर अकाउंट चला रहे हैं। इसके ठीक बाद जब हसन ने आसिफ से उनके पिछले दावे पर बात की, तो मंत्री ने अपनी बात से पलटने की कोशिश की और जवाब देते समय हकलाते रहे।

## राहुल गांधी ने अमेरिका में भी उठाया वोट चोरी का मुद्दा, कांग्रेस ने बताया यात्रा का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस वक्त दक्षिण अमेरिका के दौरे पर हैं। यहां वे 4 देशों में जाकर राजनीतिक नेताओं, यूनिवर्सिटी के छात्रों और बिजनेस जगत के लोगों से मिलेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस संबंध में जानकारी दी।

पवन खेड़ा ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका की यात्रा पर हैं। वे चार देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापार जगत के लोगों से मिलेंगे।

ओवरसीज कांग्रेसियों ने किया स्वागत- राहुल गांधी इसके पहले अप्रैल में अमेरिका गए थे। उसके बाद से ये उनकी विदेश यात्रा की नई शुरुआत है। बोस्टन लॉगन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही राहुल गांधी का इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने स्वागत किया। इस दौरान ओवरसीज कांग्रेस के चीफ सैम पित्रोदा भी वहां मौजूद रहे।

बोस्टन में भी राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का चुनाव आयोग कॉम्प्रमाइज हो चुका है।

## नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने में पाक सरकार असमर्थ, इस संगठन ने जताई चिंता

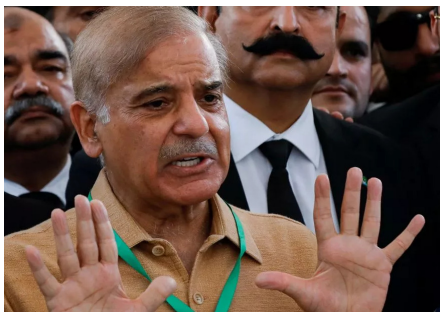

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानवाधिकारों और सुरक्षा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कहा है कि पाकिस्तान सरकार नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने में असमर्थ है।

एचआरसीपी के नेतृत्व में एक फैक्ट फाइंडिंग मिशन ने 24 से 26 सितंबर तक नागरिक समाज के एक विस्तृत समूह के साथ बैठकें कीं। स्थानीय लोगों ने बढ़ती हिंसा, विस्थापन और सुरक्षा अभियानों और प्रस्तावित खैबर पख्तूनख्वा खान और खनिज अधिनियम 2025 के तहत प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को लेकर चिंता जताई है।

विरोध करने पर कर दी जाती है हत्या- उनका कहना है कि कई हिस्सों में आतंकी बेरोकटोक सक्रिय हैं। वे निवासियों से जबरन वसूली कर रहे हैं। विरोध करने वालों की हत्या कर दी जाती है और दोपहर के बाद लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इन इलाकों में काम करना बंद कर दिया है।

कार्यकर्ताओं को चुप कराने के लिए उठाया जा रहा कोई भी कदम- एनआई के अनुसार, पाकिस्तानी सेना पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को चुप कराने के लिए कोई भी कदम उठा रही है। आरोप है कि मानवाधिकार कार्यकर्ता और बलूच छात्र संगठन के पूर्व अध्यक्ष जुबैर बलूच अपने साथी नासिर बलूच के साथ पाकिस्तानी सेना के छापे में मारे गए। बलूच नेशनलिस्ट मूवमेंट ने कहा है कि घटना की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तीखी आलोचना की है और इसे राजकीय आतंकवाद का कृत्य बताया।

## बोइंग के पूर्व कर्मचारी जॉन बार्नेट की मौत के बाद परिवार ने कंपनी से हजारों डॉलर में किया समझौता, आखिर कैसे हुई थी डेथ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंड ने अपने पूर्व कर्मचारी और विसलब्लोअर जॉन बार्नेट की मौत के मामले में उनके परिवार से समझौता कर लिया। कंपनी कम से कम 50 हजार डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) का भुगतान करेगी। यह मामले जॉन बार्नेट के परिवार द्वारा दायर गलत मौत मुकदमें से जुड़ा था।

जॉन बार्नेट ने कंपनी के खिलाफ आवाज उठाई थी और सुरक्षा खामियों को उजागर किया था। मार्च 2024 में वह उस समय मृत पाए गए थे जब वे बोइंग के खिलाफ चल रहे मुकदमे में अपना बयान दर्ज करा रहे थे। जांच में उनकी मौत को आत्महत्या बताया गया था।

बोइंग पर संकट के बादल- बार्नेट की मौत ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थी और बोइंड के 787 ड्रीमलाइनर फैक्ट्री की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उसी समय बोइंग को एक और बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा था, जब 737 मैक्स विमान के उड़ान के दौरान एक एक प्लग बाहर निकल गया था। इस घटना पर अमेरिकी एजेंसियों ने जांच शुरू की थी। अदालत में दायर दस्तावेज के अनुसार, दोनों पक्षों ने पूर्ण, अंतिम और गोपनीय समझौते पर सहमति जताई है। इसके तहत बार्नेट और उनके परिवार द्वारा कंपनी पर चल रहे सभी मामलों को समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि, इस बड़े समझौते की बाकी वित्तीय शर्तें सार्वजनिक नहीं की गई है।

परिवार को कितने डॉलर मिलेंगे- 50 हजार डॉलर के समझौते में से 20 हजार डॉलर वकीलों की फीस और अन्य पर खर्च किए जाएंगे।

# 8 साल पहले माता-पिता की हत्या कर घर में दफनाया शव, टीवी शो में बेटे का खुलासा

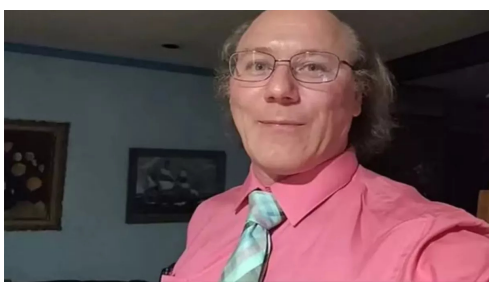

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक टीवी इंटरव्यू के दौरान एक व्यक्ति ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि कैसे उसने 8 साल पहले अपने माता-पिता की हत्या कर शव को घर के पीछे वाले हिस्से में दफना दिया था। आरोपी जैसे ही स्टूडियो से बाहर निकला पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

लोरेंज क्रॉस का चौंकाने वाला इकबालिया बयान गुरुवार को आया। एक दिन पहले पुलिस ने बताया था कि उन्होंने अल्बानी स्थित घर से दो शव बरामद किए थे। पुलिस ने जांच में पाया था कि क्रॉस के माता-पिता, फ्रांज और थेरेसिया क्रॉस को सालों से किसी ने देखा नहीं थी और न ही उनकी कोई खबर थी।

टीवी इंटरव्यू में कबूली माता-पिता की हत्या की बात- लोरेंज क्रॉस ने स्थानीय मीडिया आउटलेट CBS को दिए इंटरव्यू में बताया कि हत्या इसलिए कर दी क्यों कि वे बहुत कमजोर होते जा रहे थे। क्रॉस शुरू में सीधे तौर पर यह कहने से हिचकिचा रहा था कि उसने अपने माता-पिता की हत्या की है, लेकिन एंकर से कई सवाल पूछे तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

क्रॉस ने कहा, उसके माता-पिता ने उसे मारने के लिए नहीं कहा था, लेकिन वे जानते थे कि उनकी हालत खराब हो रही है। मैंने अपने माता-पिता के प्रति अपना कर्तव्य निभाया। उनके दुख के प्रति मेरी चिंता सर्वेपरि थी।

# बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान बारिश बनेगी बाधा, मौसम विभाग ने इन जिलों में जमकर बरसेंगे बादल

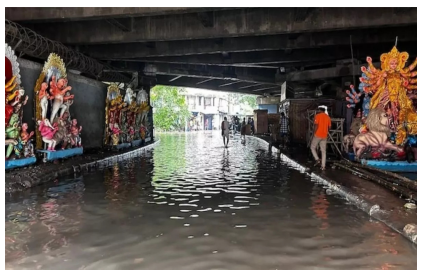

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि दुर्गा पूजा उत्सव कुछ हद तक फीका पड़ सकता है। एक अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे अगले सात दिनों के दौरान कई इलाकों में बारिश होगी और दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होगी।

पांच दिनों तक चलने वाली दुर्गा पूजा 28 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर, दशहरे को समाप्त होगी। हालांकि, कई जगहों पर मूर्तियों का विसर्जन बाद में किया जाता है। मौजूदा दबाव क्षेत्र के दक्षिण ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने के बाद रविवार तक धीरे-धीरे कमजोर होकर एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने क्या कहा- भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि नए निम्न दबाव क्षेत्र के कारण दक्षिण बंगाल के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने के साथ-साथ पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

## आई लव मोहम्मद विवाद- कर्नाटक में आठ गिरफ्तार, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने दावणगेरे में आई लव मोहम्मद विवाद और उससे जुड़ी हिंसा मामले में शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था भंग करने वाले और लोगों को पकड़ने और गिरफ्तार करने के लिए चार विशेष टीमें बनाई गई हैं।

यह कार्रवाई 24 सितंबर को कार्ल मार्क्स नगर इलाके में एक बैनर विवाद को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प के बाद की गई है। घटना के दौरान हिंदुओं के घरों पर पथराव किए जाने के आरोप लगे थे। इस सिलसिले में 100 लोगों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई और दोनों पक्षों के आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई- पुलिस इंटरनेट मीडिया पर भी नजर रख रही है। दावणगेरे जिले की एसपी उमा प्रशांत ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। समस्या तब शुरू हुई जब कार्ल मा?र्क्स नगर में अचानक एक बैनर दिखाई दिया जिस पर लिखा था आई लव मुहम्मद।

## 54km नंगे पांव चलकर सबरीमाला पहुंचा भक्त, अमेरिकी व्लॉगर के उड़े होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पठानमथिट्टा जिले की पहाड़ियों पर स्थित सबरीमाला मंदिर दक्षिण भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। यह मंदिर भगवान अयप्पा को समर्पित है, जिन्हें विकास और धर्म की रक्षा का देवता माना जाता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को कठिन जंगल और पहाड़ियों से होकर पैदल यात्रा करनी होती है।

हाल ही में एक अमेरिकी व्लॉगर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वे उन श्रद्धालुओं से मिलते हैं, जिन्होंने 54 किलोमिटर नंगे पांव चलकर सबरीमाला की यात्रा पूरी की थी। वीडियो में वो आश्चर्यचकित होकर पूछते हैं, आप सबने काले कपड़े क्यों पहने हैं?

क्यों पहनते हैं काले कपड़े- इस सवाल के जवाब में भक्त ने जवाब दिया कि सबरीमाला की ये परंपरा है। भक्त बताते हैं कि यात्रा से पहले उन्हें लंबे समय तक कठिन नियमों का पालन करना पड़ता है। एक श्रद्धालु ने बताया, ÷48 दिन से व्रत है। न चप्पल, न जूते और न ही बिस्तर, सिर्फ शाकाहारी भोजन और जमीन पर सोना होता है।÷

श्रद्धालुओं के इस दल ने बताया कि वे श्रीलंका से सबरीमाला आए हैं। उन्होंने पांच पहाड़ पार किए और पांचवें पहाड़ पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए 54 किलोमीटर तक सफर नंगे पांव तय किया।

## कर्नाटक की गुफा में रह रही महिला और उसकी बेटियां वापस जाएंगीं रूस, हाई कोर्ट ने दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को एक रूसी महिला और उसकी दो नाबालिग बेटियों की वापसी के लिए यात्रा दस्तावेज जारी करने की अनुमति दे दी है। ये लोग तटीय कर्नाटक की एक गुफा में पाई गए थे।

न्यायमूर्ति बी एम श्याम प्रसाद ने यह आदेश इजराइली नागरिक ड्रोर श्लोमो गोल्डस्टीन की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जो बच्चों का पिता होने का दावा करता है। गोल्डस्टीन ने अदालत से अनुरोध किया था कि केंद्र को नाबालिग बच्चों को तुरंत निर्वासित न करने का निर्देश दिया जाए।

जुलाई में गुफा के अंदर मिले थे ये लोग

नीना कुटीना नाम की यह महिला 11 जुलाई को कुमता तालुका के गोकर्ण के पास रामतीर्थ पहाड़ियों की एक गुफा में मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि वह और उसके बच्चे बिना किसी वैध यात्रा या निवास दस्तावेज के लगभग दो महीने से वहां रह रहे थे।

इजरायली नागरिक ने दर्ज कराई थी शिकायत- गोल्डस्टीन ने भारत में अपने बच्चों का पता न लगा पाने के बाद पिछले साल दिसंबर में गोवा के पणजी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान, अदालत ने दर्ज किया कि रूसी वाणिज्य दूतावास ने कुटीना और उनकी बेटियों के लिए आपातकालीन यात्रा पत्र जारी किए हैं, जो केवल 9 अक्टूबर तक वैध हैं। कोर्ट ने वाणिज्य दूतावास को कुटीना की ओर से खुद को भेजे गए पत्र पर भी ध्यान दिया, जिसमें उसने जल्द से जल्द रूस लौटने की इच्छा व्यक्त की थी।

## आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धिः पूरी तरह स्वदेशी 4जी लॉन्च, गांवों तक पहुंचेगा हाई-स्पीड इंटरनेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दस साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की थी और उस अभियान के बड़े-बड़े परिणाम अब दिखने लगे हैं। इस अभियान की मदद से टेलीकाम सेक्टर की सार्वजनिक कंपनी बीएसएनएल ने पूरी तरह से स्वदेशी 4जी तकनीक विकसित कर ली है।

इस तकनीक से स्थापित 4जी नेटवर्क की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से की। अब तक 2जी, 3जी, 4जी सेवा की तकनीक के लिए भारत विदेश पर निर्भर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की कंपनियों ने भारत को दुनिया के उन पांच देशों की सूची में ला खड़ा किया है जिनके पास 4जी सेवा शुरू करने की पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है।

कौन-कौन देश हैं शामिल- इन देशों में चीन, स्वीडन, दक्षिण कोरिया व डेनमार्क शामिल है। कभी टेलीकाम सेक्टर के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर करने वाला भारत अब दुनिया के अन्य देशों को 4जी नेटवर्क तकनीक व इनसे जुड़े उपकरणों का निर्यात करेगा। स्वदेशी 4जी नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले साफ्टवेयर से लेकर हार्डवेयर तक पूरी तरह से देश में निर्मित हैं। रेडियो एक्सेस नेटवर्क (रैन) को सरकारी उपक्रम सी-डाट से जुड़े तेजस नेटवर्क ने विकसित किया है।

बाकी के काम टीसीएस व बीएसएनएल ने किए हैं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को 98,000 4जी टावर का भी शुभारंभ किया। 4जी नेटवर्क के इस विस्तार से देश के दो करोड़ से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा से वंचित 30 हजार से अधिक गांवों में अब 4जी सुविधा मिलेगी।

पीएम मोदी ने क्या कहा- मोदी ने कहा कि भारत पहले ही सबसे तेज 5जी सेवा शुरू कर चुका है। शनिवार को शुरू होने वाले बीएसएनएल के 4जी टावर्स बहुत आसानी से 5जी सेवा के लिए भी तैयार हो जाएंगे। मतलब 5जी सेवा के लिए भी भारत को विदेशी तकनीक पर निर्भर नहीं करना पड़ेगा।

## असम में बीटीसी चुनाव ने बढ़ाया विपक्ष का मनोबल, भाजपा परिषद की सत्ता से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को करारा झटका लगा है। परिषद में पिछले पांच वर्षों से विपक्ष में रही बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने इस बार 40 में से 28 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया।

भाजपा को पांच और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) को सात सीटें मिली हैं, जो पांच-छह महीने बाद होने वाले असम विधानसभा चुनाव में भाजपा-यूपीपीएल गठबंधन के लिए सबक है। बीटीसी चुनाव को विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता है। बीपीएफ की जीत संकेत देती है कि विधानसभा का मुकाबला आसान नहीं होगा और भाजपा को सत्ता में वापसी के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

क्यों अहम है बीटीसी का चुनाव- असम की राजनीति में बीटीसी चुनाव का असर हमेशा विधानसभा पर दिखता रहा है, क्योंकि 126 में से 19 विधानसभा सीटें इसी क्षेत्र में आती हैं। यही वजह है कि यहां का जनादेश पूरे राज्य की दिशा तय करता है। इस बार बीपीएफ ने जिस तरह भाजपा और यूपीपीएल को पछाड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, उसने विपक्ष को नई ऊर्जा और हौसला दिया है।

ताजा नतीजों ने तोड़ा मिथक- भाजपा ने पिछले एक दशक में असम की राजनीति में गहरी पैठ बनाई थी। लोकसभा और विधानसभा में लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उसे भरोसा दिला दिया था कि विपक्ष उसके सामने टिक नहीं पाएगा। लेकिन बीटीसी का ताजा परिणाम इस मिथक को तोड़ता दिखता है। संदेश साफ है कि मतदाता स्थानीय मुद्दों और नेतृत्व को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।


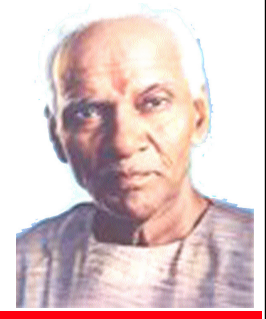

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

## संपादकीय

# कुछ देशों में युवा-आधारित (अक्सर ज़ेन ज़ेड) आन्दोलन तेज़ी से उभरे हैं....

वैश्विक स्तरपर पिछले तीन-चार वर्षों में दक्षिण एशिया के कुछ देशों में युवा-आधारित (अक्सर ज़ेन ज़ेड) आन्दोलन तेज़ी से उभरे हैं, श्रीलंका (2022), बांग्लादेश (2024) और हाल ही में नेपाल (सितंबर 2025) में बड़े सार्वजनिक आंदोलनों ने राजनीतिक संतुलन पर प्रभाव डाला है। इन घटनाओं ने यह सवाल जगाया है कि क्या इसी तरह की ज़ेन ज़ेड सक्रियता अब भारत के कुछ संवेदनशील इलाकों में (जैसे लद्दाख/लेह) परिलक्षित होकर हिंसा या बड़े सार्वजनिक अशांतियों का रूप ले रही है?और क्या इसके पीछे कोई व्यवस्थित अंतरराष्ट्रीय साजिश या सीमापार प्रेरणा है? क्या लद्दाख में नेपाल पार्ट-2 करने की कोशिश हो रही थी। आज सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या नेपाल की तरह लद्दाख में बगावत की तैयारी थी? जांच में ये पता चला है कि इसके पीछे एक गहरी साजिश थी और लद्दाख को जलाने के लिए एक पूरा टूलकिट काम कर रहा था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने सोशल मीडिया पर देखा कि लद्दाख में जेन-ज़ी प्रोटेस्ट क़ा कई लोगों ने दावा किया कि लद्दाख में प्रदर्शनकारी जेन ज़ेड के लोग थे,सोशलमीडिया पर एक शख्स ने लेह का एक वीडियो शेयर किया, जिसका टाइटल था-जेन ज़ेड लद्दाख की सड़कों पर है एक अन्य यूजर ने आरोप लगाया,लद्दाख में जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय में आग लगा दी, पूरी तरह अराजकता फैल गई,कुछ लोगों ने तो हाल ही में हुए नेपाल प्रोटेस्ट से भी तुलना की, जहां जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने ओली सरकार को गिरा दिया था, इस बीच, एक एक्टिविस्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, लेह में हुई घटनाएं बहुत दुखद हैं,शांतिपूर्ण रास्ते का मेरा संदेश आज फेल हो गया, मैं युवाओं से अपील करता हूं कि कृपया यह बकवास बंद करें, इससे हमारे मकसद को ही नुकसान पहुंचता हैअब सवाल उठता है कि क्या ज़ेन ज़ेड की एंट्री भारत में एक साजिश की तरह कराई जा रही है? या फिर वास्तव में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है?इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड का बढ़ता प्रदर्शन-परिदृश्य और भारत पर इसका असर-लद्दाख (लेह) के हालिया घटनाक्रम पर सटीक विश्लेषण।

साथियों बात अगर हम क्या नेपाल - बांग्लादेश- श्रीलंका की तरह भारत में भी ज़ेड ज़ेन साजिश रची जा रही है? और क्या सरकार को हाई-अलर्ट होना चाहिए? को समझने की करें तो, अब तक उपलब्ध खुली रिपोर्टिंग यह संकेत देती है कि दक्षिण एशिया में उभरते ज़ेड ज़ेन

आंदोलनों की प्रेरणा अधिकतर आंतरिक (स्थानीय असंतोष, बेरोज़गारी, सोशल-मीडिया/नियमों पर आपत्ति, पारंपरिक व्यवस्था से नाराज़गी) से आई है, न कि किसी एक विदेशी- संगठित, निर्देशित साजिश से। फिर भी, क्योंकि युवाओं ने विभिन्न देशों की रणनीतियाँ और चिट-चैट सोशल प्लेटफॉर्मों पर देखा-सीखा है, विचारों का पारस्परिक आदान-प्रदान हुआ है,और सीमापार प्रभाव/प्रेरणा का छोटा-सा रोल काम कर सकता है। इस तरह के क्षेत्रों में केंद्र/राज्य सुरक्षा-तंत्रों के लिए सतर्कता व निगरानी महत्वपूर्ण है,पर मौजूदा रिपोर्टों में कोई निर्णायक ठोस सबूत नहीं मिला कि नेपाल/बांग्लादेश/श्रीलंका के आंदोलनों को किसी एक केंद्रीय विदेशी एजेंसी ने भारत के लिए निर्देशित किया है।विश्लेषकों का कहना है कि दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड आंदोलनों के बीच कुछ साझा विषय रहे,अविकसित रोज़गार, करप्शन/निहित-स्वार्थ, सोशल-मीडिया प्रतिबंध या अर्थव्यवस्था से जुड़ी असंतुष्टि। ये साझा कारण युवा- आंदोलन कोसमान रणनीतिक विचार दे सकते हैं। पर यह समानता स्वतः साजिश नहीं बनती;यह सामाजिक - राजनीतिक कारणों का सह-अवतरित होना है।

# भगतसिंह

अमर बलिदानी सरदार भगतसिंह का नाम विश्व में 20वीं शताब्दी के अमर बलिदानियों में बहुत ऊँचा है। भगतसिंह ने देश की आज़ादी के लिए जिस साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया, वह आज के युवकों के लिए एक बहुत बड़ा आदर्श है। भगतसिंह अपने देश के लिये ही जीये और उसी के लिए बलिदान भी दे गये।

जीवन परिचय- भगतसिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को पंजाब के ज़िला लायलपुर में बंगा गाँव (पाकिस्तान) में हुआ था, एक देशभक्त सिक्ख परिवार में हुआ था, जिसका अनुकूल प्रभाव उन पर पड़ा था। भगतसिंह के पिता सरदार किशन सिंह एवं उनके दो चाचा अजीतसिंह तथा स्वर्णसिंह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ होने के कारण जेल में बन्द थे। जिस दिन भगतसिंह पैदा हुए उनके पिता एवं चाचा को जेल से रिहा किया गया। इस शुभ घड़ी के अवसर पर भगतसिंह के घर में खुशी और भी बढ़ गयी थी । भगतसिंह की दादी ने बच्चे का नाम भागां वाला (अच्छे भाग्य वाला) रखा। बाद में उन्हें भगतसिंह कहा जाने लगा। वे 14 वर्ष की आयु से ही पंजाब की क्रान्तिकारी संस्थाओं में कार्य करने लगे थे। डी.ए.वी. स्कूल से उन्होंने नवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1923 में इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद उन्हें विवाह बन्धन में बाँधने की तैयारियाँ होने लगीं तो वे लाहौर से भागकर कानपुर आ गये।

सम्पादकीय लेख- कानपुर में उन्हें गणेश शंकर विद्यार्थी का हार्दिक सहयोग भी प्राप्त हुआ। देश की स्वतंत्रता के लिए अखिल भारतीय स्तर पर क्रान्तिकारी दल का पुनर्गठन करने का श्रेय सरदार भगतसिंह को ही जाता है।

उन्होंने कानपुर के प्रताप में बलवंत सिंह के नाम से तथा दिल्ली में अर्जुन के सम्पादकीय विभाग में अर्जुन सिंह के नाम से कुछ समय काम किया और अपने को नौजवान भारत सभा से भी सम्बद्ध रखा।

क्रान्तिकारियों के सम्पर्क में- 1919 में रॉलेक्ट एक्ट के विरोध में संपूर्ण भारत में प्रदर्शन हो रहे थे और इसी वर्ष 13 अप्रैल को जलियांवाला बाग़ काण्ड हुआ । इस काण्ड का समाचार सुनकर भगतसिंह लाहौर से अमृतसर पहुँचे। देश पर मर-मिटने वाले बलिदानियों के प्रति श्रद्धांजलि दी तथा रक्त से भीगी मिट्टी को उन्होंने एक बोतल में रख लिया, जिससे सदैव यह याद रहे कि उन्हें अपने देश और देशवासियों के अपमान का बदला लेना है ।

असहयोग आंदोलन का प्रभाव- 1920 के महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर 1921 में भगतसिंह ने स्कूल छोड़ दिया। असहयोग आंदोलन से प्रभावित छात्रों के लिए लाला लाजपत राय ने लाहौर में नेशनल कॉलेज की स्थापना की थी। इसी कॉलेज में भगतसिंह ने भी प्रवेश लिया। पंजाब नेशनल कॉलेज में उनकी देशभक्ति की भावना फलने-फूलने लगी। इसी कॉलेज में ही यशपाल, भगवतीचरण, सुखदेव, तीर्थराम, झण्डासिंह आदि क्रांतिकारियों से संपर्क हुआ। कॉलेज में एक नेशनल नाटक क्लब भी था। इसी क्लब के माध्यम से भगतसिंह ने देशभक्तिपूर्ण नाटकों में अभिनय भी किया। ये नाटक थे -

राणा प्रताप
भारत-दुर्दशा
सम्राट चन्द्रगुप्त

वे चन्द्रशेखर आज़ाद जैस महान् क्रान्तिकारी के सम्पर्क में आये और बाद में उनके प्रगाढ़ मित्र बन गये। 1928 में सांडर्स हत्याकाण्ड के वे प्रमुख नायक थे। 8 अप्रैल, 1929 को ऐतिहासिक असेम्बली बमकाण्ड के भी वे प्रमुख अभियुक्त माने गये थे। जेल में उन्होंने भूख हड़ताल भी की थी। वास्तव में इतिहास का एक अध्याय ही भगतसिंह के साहस, शौर्य, दृढ़ सकंल्प और बलिदान की कहानियों से भरा पड़ा है।

सेफ्टी बिल तथा ट्रेड डिस्प्यूट्स बिल का विरोध- विचार-विमर्श के पश्चात् यह निर्णय हुआ कि इस सारे कार्य को भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु अंजाम देंगे। पंजाब के बेटों ने लाजपत राय के खून का बदला खून से ले लिया।

सांडर्स और उसके कुछ साथी गोलियों से भून दिए गए। उन्हीं दिनों अंग्रेज़ सरकार दिल्ली की असेंबली में पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूट्स बिल लाने की तैयारी में थी। ये बहुत ही दमनकारी क़ानून थे और सरकार इन्हें पास करने का फैसला कर चुकी थी।

शासकों का इस बिल को क़ानून बनाने के पीछे उद्देश्य था कि जनता में क्रांति का जो बीज पनप रहा है उसे अंकुरित होने से पहले ही समाप्त कर दिया जाए।

असेम्बली बमकाण्ड- गंभीर विचार-विमर्श के पश्चात् 8 अप्रैल 1929 का दिन असेंबली में बम फेंकने के लिए तय हुआ और इस कार्य के लिए भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त निश्चित हुए। यद्यपि असेंबली के बहुत से सदस्य इस दमनकारी क़ानून के विरुद्ध थे तथापि वायसराय इसे अपने विशेषाधिकार से पास करना चाहता था। इसलिए यही तय हुआ कि जब वायसराय पब्लिक सेफ्टी बिल को क़ानून बनाने के लिए प्रस्तुत करे, ठीक उसी समय धमाका किया जाए और ऐसा ही किया भी गया। जैसे ही बिल संबंधी घोषणा की गई तभी भगत सिंह ने बम फेंका। इसके पश्चात् क्रांतिकारियों को गिरफ्तार करने का दौर चला। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास मिला।

भगत सिंह और उनके साथियों पर लाहौर षड़यंत्र का मुक़दमा भी जेल में रहते ही चला। भागे हुए क्रांतिकारियों में प्रमुख राजगुरु पूना से गिरफ़्तार करके लाए गए। अंत में अदालत ने वही फैसला दिया, जिसकी पहले से ही उम्मीद थी। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को मृत्युदंड की सज़ा मिली।

फाँसी की सज़ा- 23 मार्च, 1931 की रात भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु देशभक्ति को अपराध कहकर फाँसी पर लटका दिए गए। यह भी माना जाता है कि मृत्युदंड के लिए 24 मार्च की सुबह ही तय थी, लेकिन जन रोष से डरी सरकार ने 23-24 मार्च की मध्यरात्रि ही इन वीरों की जीवनलीला समाप्त कर दी और रात के अंधेरे में ही सतलुज के किनारे उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया। लाहौर षड़यंत्र के मुक़दमे में भगतसिंह को फ़ाँसी की सज़ा मिली तथा 23 वर्ष 5 माह और 23 दिन की आयु में ही, 23 मार्च 1931 की रात में उन्होंने हँसते-हँसते संसार से विदा ले ली। भगतसिंह के उदय से न केवल अपने देश के स्वतंत्रता संघर्ष को गति मिली वरन् नवयुवकों के लिए भी प्रेरणा स्रोत सिद्ध हुआ। वे देश के समस्त बलिदानियों के सिरमौर थे। 24 मार्च को यह समाचार जब देशवासियों को मिला तो लोग वहाँ पहुँचे, जहाँ इन बलिदानियों की पवित्र राख और कुछ अस्थियाँ पड़ी थीं। देश के दीवाने उस राख को ही सिर पर लगाए उन अस्थियों को संभाले अंग्रेज़ी साम्राज्य को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेने लगे। देश और विदेश के प्रमुख नेताओं और पत्रों ने अंग्रेज़ी सरकार के इस काले कारनामे की तीव्र निंदा की।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

जवाहरलाल नेहरू ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- भगतसिंह एक प्रतीक बन गया। साण्डर्स के कत्ल का कार्य तो भुला दिया गया लेकिन चिह्न शेष बना रहा और कुछ ही माह में पंजाब का प्रत्येक गांव और नगर तथा बहुत कुछ उत्तरी भारत उसके नाम से गूँज उठा । उसके बारे में बहुत से गीतों की रचना हुई और इस प्रकार उसे जो लोकप्रियता प्राप्त हुई । वह आश्चर्यचकित कर देने वाली थी

वह बलिदानी रामप्रसाद बिस्मिल की यह पंक्तियाँ गाते थे-

मेरा रंग दे बसंती चोला ।
इसी रंग में रंग के शिवा ने माँ का बंधन खोला ॥
मेरा रंग दे बसंती चोला
यही रंग हल्दीघाटी में खुलकर था खेला।
नव बसंत में भारत के हित वीरों का यह मेला
मेरा रंग दे बसन्ती चोला।

अंग्रेज़ों से बचने के लिए भगतसिंह ने भेष बदला। उन्होंने अपने केश और दाढ़ी कटवाकर, पैंट पहनी और हैट लगाकर अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंक कर कलकत्ता पहुँचे । कुछ दिन बाद वे आगरा गए। हिन्दुस्तान समाजवादी गणतंत्र संघ की केन्द्रीय कार्यकारिणी की सभा में पब्लिक सेफ्टी बिल और डिस्प्यूट्स बिल के विरोध में भगतसिंह ने केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने का प्रस्ताव रखा । भगतसिंह के सहायक बटुकेश्वर दत्त बने ।

पिस्तौल और पुस्तक भगतसिंह के दो परम विश्वसनीय मित्र थे।

# 1 रुपये से कम कीमत का ये पेनी स्टॉक सोमवार को भर सकता है उड़ान, मिला 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का बड़ा ऑर्डर




नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को शेयर मार्केट में एक पेनी स्टॉक पर सभी निवेशकों की नजर रह सकती है। ये पेनी स्टॉक सोमवार को उड़ान भर सकता है। इसके पीछे का कारण है कि इसे 100 करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा ऑर्डर मिला है। एक्सचेंज को दी जानकारी में इस स्टॉक ने बताया कि उसे हीरा मर्चेंट्स से अनाज और सब्जियों की आपूर्ति के लिए 113 करोड़ का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इस स्टॉक का नाम है हर्षिल एग्रोटेक। इसके शेयर सोमवार को फोकस में रह सकते हैं। इसके एक स्टॉक का दाम एक रुपये से भी कम का है।

कंपनी को मिले ऑर्डर के तहत ऑर्डर के तहत उसे गेहूं (ग्रेड-ए), आलू, प्याज, टमाटर (हाइब्रिड), हरी मिर्च (ताजा), बैगन और शिमला मिर्च मिश्रण जैसे विभिन्न उत्पाद उपलब्ध कराने होंगे। हर्षिल एग्रोटेक को कार्य आदेश की पुष्टि के सात दिनों के भीतर 30त्न अग्रिम राशि और डिलीवरी व निरीक्षण के बाद 70त्न राशि प्राप्त होगी। लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था हर्षल एग्रोटेक द्वारा की जाएगी।

1 रुपये से कम है शेयर का दाम- पेनी स्टॉक Harshil Agrotech के शेयर शुक्रवार को -4.44 फीसदी गिरकर 0.86 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। लेकिन इसके शेयर शुक्रवार को 0.94 के उच्चतम स्तर तक पहुंच गए थे। हर्षिल एग्रोटेक के शेयर एक वर्ष में 78त्न नीचे आ गए हैं।

Harshil Agrotech के मैनेजमेंट ने इस खरीद आदेश को परिचालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया और उम्मीद जताई कि सुचारू निष्पादन और गुणवत्तापूर्ण मंजूरियों के अधीन, यह निकट भविष्य में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा।

क्या बोले कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर- Managing Director पंकज कुमार पटेल ने कहा कि यह ऑर्डर हर्षिल एग्रोटेक के कृषि वस्तुओं के व्यापार और प्रसंस्करण के मुख्य व्यवसाय के अनुकूल है और बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की उसकी रणनीति का समर्थन करता है।

गुजरात स्थित हर्षिल एग्रोटेक लिमिटेड सब्जियों, अनाज और अन्य कृषि वस्तुओं के प्रसंस्करण और व्यापार का व्यवसाय करती है। यह बीएसई में सूचीबद्ध है।

## आरबीआई का बड़ा फैसला, मृतक के परिजनों को 15 लाख तक का क्लेम अब आसानी से मिलेगा




नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक नया नियम जारी किया है। यह नया नियम मृतक के परिजनों को लेकर है। मृतक के परिजनों को उसके अकाउंट में पड़ी धनराशि को क्लेम करने में अभी तक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन नए नियम के अनुसार, बैंक ग्राहक की मृत्यु की स्थिति में, उनके नामांकित व्यक्ति एक सरल प्रक्रिया के माध्यम से 15 लाख रुपये तक की जमा राशि का दावा कर सकते हैं। यानी अगर आपके किसी परिजन की मृत्यु हो गई है और उनके खाते में लाखों रुपये पड़े हैं तो आप 15 लाख रुपये तक का क्लेम आसानी से कर सकते हैं। सहकारी बैंकों के लिए यह सीमा 5 लाख रुपये निर्धारित की गई है। आरबीआई के नए मानदंडों ने जमा, सुरक्षित जमा लॉकर और सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुओं के लिए बैंकों में प्रक्रियाओं को मानकीकृत कर दिया है। यह ढांचा पहले के परिपत्रों का स्थान लेता है और एक समान दस्तावेजीकरण, सीमा और समय-सीमा लागू करता है। नए नियमों को चालू वित्त वर्ष के अंत तक लागू किया जाना है। यानी 31 मार्च 2026 से पहले यह नियम लागू हो सकता है। नामांकित व्यक्ति, उत्तरजीविता खंड या वसीयत के बिना जमा राशि के लिए - और जहां कोई न्यायालय आदेश या विवादित दावा नहीं है - बैंकों को दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, दावेदार की वैध पहचान पत्र, क्षतिपूर्ति बांड, और यदि लागू हो, तो अन्य उत्तराधिकारियों से अस्वीकरण पत्र जमा करके दावों का निपटान करना होगा।

## BSNL स्वदेशी नेटवर्क का हुआ उद्घाटन, कौन सी कंपनी लगाएगी 97500 टावर; क्या भागेंगे इनके शेयर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत संचार निगम के स्वदेशी 4जी स्टैक का उद्घाटन किया है। यह दिन BSNL की रजत जयंती का दिन है और इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने दूरसंचार सेवा प्रदाता के 92,600 4जी प्रौद्योगिकी साइटों सहित 97,500 से अधिक मोबाइल 4जी टावरों का भी उद्घाटन किया।

इस लॉन्च से दूरदराज और सीमावर्ती इलाकों में स्थित 26,700 से ज़्यादा असंबद्ध गाँवों को कनेक्शन मिलेगा, जिनमें ओडिशा के 2,472 गांव शामिल हैं।

ये टावर सौर ऊर्जा से चलेंगे, जिससे ये भारत में हरित दूरसंचार साइटों का सबसे बड़ा समूह बन गए हैं तथा टिकाऊ बुनियादी ढांचे की दिशा में एक कदम आगे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, मोदी ने डिजिटल भारत निधि के माध्यम से भारत के 100 प्रतिशत 4जी संतृप्ति नेटवर्क का भी अनावरण किया, जिसके तहत 29,000 से 30,000 गांवों को मिशन-मोड परियोजना के तहत जोड़ा गया है।

टावर पर रेडियो एक्सेस नेटवर्क तेजस नेटवर्क विकसित करेगा। इसके अलावा कोर नेटवर्क सी-डॉट विकसित करेगा। वहीं सिस्टम का एकीकरण टाटा की दिग्गज IT कंपनी TCS करेगी।

तेजस नेटवर्क शेयर प्राइस- एनएसई पर तेजस नेटवर्क शेयर अभी 588.85 पर है। इसके शेयर में एक सप्ताह में 28.42% की गिरावट दिखी है। एक महीने में यह 27.24% की गिरावट देखने को मिली। वहीं 6 महीने में यह 41.59% गिरा है। एक साल में यह 63.93त्न गिरा है। तीन साल में इसमें 26.87% की गिरावट देखने को मिली है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड का 2004 में अपने IPO के बाद से ञ्चष्टस्न के शेयरों में 29 गुना वृद्धि हुई है। 5 साल में, इस शेयर ने 19.68% का रिटर्न दिया है। 10 साल में, इस शेयर ने 124.7% का रिटर्न दिया है। वहीं अभी यह गिरावट के दौर से गुजर रहा है। इसका शेयर अभी 2,905.40 रुपये पर है।

## 270 दिनों में सोना 37000 तो चांदी 52000 हुई महंगी, दोनो जा सकते हैं 1.5 लाख के पार



नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना और चांदी के दामों में तेजी रुकने का नाम नहीं ले रही है। दोनों ही धातुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। दोनों धातुओं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर चली गई हैं। ये तीजे आगे भी जारी रह सकती है। दिग्गज ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि आने वाले समय में सोने की कीमतों में 50 फीसदी तेजी और देखने को मिल सकती है। सोने के दामों में बढ़ती तेजी के पीछे का मुख्य कारण जिओ पॉलिटिकल टेंशन और आर्थिक अनिश्चितता है। सोना तो सोना चांदी भी रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बना रही है।

इस साल अब तक दबा के भागे सोना और चांदी- इस साल की शुरुआत से 27 सितंबर 2025 तक सोने और चांदी में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली है। घरेलू मार्केट में गोल्ड 1 जनवरी 2025 से लेकर 27 सितंबर 2025 तक 24 कैरेट सोना 49 फीसदी यानी करीब 37000 रुपये प्रति दस ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी की बात करें तो चांदी इस साल अब तक 60 फीसदी भाग चुकी है। यानी सिल्वर अब तक 60 फीसदी का रिटर्न दे चुकी है। 2025 की शुरुआत से अब तक चांदी 52000 रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है।

IBJA के आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76162 रुपये प्रति दस ग्राम था।

# 200 रुपये से कम का है देश की सबसे बड़ी गैस कंपनी का स्टॉक, समंदर में मिले खजाने से सोमवार को भागेंगे ये 10 शेयर?



नई दिल्ली (एजेंसी)। गैस के भंडार को खोजने में शुक्रवार को भारत के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 17 किलोमीटर गैस भंडार मिला है।

यह गैस भंडार श्री विजयपुरम-2 कुएं में स्थिति है। जिस कुएं में प्राकृतिक गैस का यह भंडार मिला है उसकी वह 295 मीटर पानी की गहराई में स्थित है और इसकी गहराई 2650 मीटर है। भारत के लिए गैस भंडार का मिलना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं।

ऐसे में जब सोमवार को शेयर बाजार खुलेगा तो गैस कंपनियों के स्टॉक में तेजी देखने को मिल सकती है। इसी को देखते हुए यहां हम आपको भारत में मार्केट कैप के लिहाज से भारत के टॉप-10 गैस कंपनियों के बारे में बता रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनी GAIL का शेयर 200 से कम में मिल रहा है।

GAIL (इंडिया), जो इस लिस्ट में सबसे बड़ी कंपनी है। जिसका मार्केट कैप 113,104.86 करोड़ है। इसने 2,382.24 करोड़ का तिमाही नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। हालांकि, पिछले वर्ष की तुलना में इसके प्रॉफिट ग्रोथ में 25.57% की गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी का रिटर्न ऑन कैपिटल एंप्लॉइड 14.05% रहा।

Adani Total Gas का मार्केट कैप 71,405.17 करोड़ है। इसका 110.23 का हाई P/E रेशियो के साथ, इस तिमाही में 165.24 करोड़ का नेट प्रॉफिट कमाया, जो पिछले साल की तुलना में 3.84% कम है। हालांकि, इसके तिमाही बिक्री में 20.35% की बढ़ोतरी देखने को मिली।

Petronet LNG ने 841.88 करोड़ का लाभ दर्ज किया है, जो 23.84त्न की गिरावट है और इसकी बिक्री में भी 11.44% की गिरावट आई है। इसका ROCE 25.39% रहा, जो सेक्टर में सबसे अधिक है।

Gujarat Gas और Indraprastha Gas दोनों की तिमाही रिपोर्ट में हल्की गिरावट देखने को मिली।

## इन 3 राज्यों के किसानों की आ गई 21वीं किस्त, लेकिन बाकियों के खाते में इस दिन आएंगे 2-2 हजार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त का पैसा केंद्र सरकार ने तीन राज्यों के किसानों को समय से पहले भेज दिया। दरअसल, जिन तीन राज्यों को PM Kisan Yojana की 21st Installment समय से पहले भेजी गई है, वहां बाढ़ की वजह से किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के 27 लाख से अधिक किसानों को 540 करोड़ से ज्यादा राशि सीधे खातों में भेजी। यह राशि 21वीं किस्त का अग्रिम वितरण के तहत भेज गई। इस समय ये राज्य प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं।

अब सवाल यह है कि आखिर बाकी राज्य के किसानों के खाते में किसान योजना की 21वीं किस्त का पैसा कब आएगा? यह सवाल करोड़ों किसान भाइयों के मन में जरूर आया होगा। दरअसल, केंद्र सरकार 21वीं किस्त भेजने की तैयारी कर चुकी है। आइए जानते हैं कि कब तक बाकी राज्यों के किसानों को 21वीं किस्त का पैसा मिलेगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# मां शारदा धाम मैहर में उमड़ा आस्था का सैलाब, षष्ठी पर 1.30 लाख से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

मैहर। मां शारदा धाम में चल रहे शारदेय नवरात्र महोत्सव में आस्था का उत्सव चरम पर है। शनिवार को षष्ठी तिथि पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। दोपहर 2 बजे तक ही मंदिर प्रांगण में 84,158 भक्त माता शारदा के दर्शन कर चुके थे, वहीं शाम तक यह संख्या बढ़कर 1 लाख 30 हजार से अधिक पहुंचने का अनुमान है।

मां शारदा की नगरी मैहर में नवरात्र के दिनों में लाखों श्रद्धालु देशभर से पहुंचते हैं। षष्ठी के दिन सुबह से ही मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में भक्तों की लंबी कतारें नजर आईं। श्रद्धालु माता की जयकारों के साथ दर्शन करते हुए मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना कर रहे थे।

सर्वाधिक रिकॉर्ड दर्ज

इससे पहले पंचमी तिथि पर अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड दर्ज हुआ था, जब सीढ़ी मार्ग से 1,21,538, रोपवे से 6,250 और वैन से 1,650 श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ प्राप्त किया। षष्ठी पर भी उत्साह और आस्था का माहौल चरम पर

रहा।

प्रशासन और पुलिस की मुस्तैदी

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया। पूरे मेला क्षेत्र में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार डटे रहे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। भीड़ प्रबंधन में पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता सराहनीय रही।

मेले में बिछड़ने की घटनाएं भी बड़ी संख्या में सामने आईं, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 160 से अधिक बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उनके परिजनों से सुरक्षित मिलवाया। इसके लिए खोया-पाया केंद्र की व्यवस्था बेहद कारगर साबित हुई।

श्रद्धालुओं ने की व्यवस्थाओं की सराहना

मंदिर प्रबंधन और प्रशासन द्वारा किए गए इंतजामों की श्रद्धालुओं ने खुलकर प्रशंसा की। भक्तों का कहना था कि इस बार नवरात्रि मेले में दर्शन की प्रक्रिया सहज और व्यवस्थित रही। पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक कर्मचारियों की मेहनत से भीड़ होने के बावजूद श्रद्धालु आसानी से माता शारदा के दर्शन कर पाए।

बढ़ती जा रही आस्था की लहर

जैसे-जैसे नवरात्र आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे मां शारदा धाम में भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। सप्तमी और अष्टमी पर और अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है। नवरात्र महोत्सव के दौरान मां शारदा का दरबार आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र बना हुआ है।

## छात्रों को लेकर जा रही स्कूल बस का डीजल खत्म, बीच रास्ते फंसे बच्चे; सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

रामनगर। मैहर जिला के रामनगर जनपद की शासकीय संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बसों के संचालन में लगातार लापरवाही सामने आ रही है। शनिवार को इसका बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला जब छात्रों को लेकर जा रही एक बस का डीजल बीच रास्ते खत्म हो गया। इस घटना ने न सिर्फ बच्चों को परेशानी में डाला बल्कि उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

**आधा घंटे तक बच्चे सड़क पर खड़े रहे**-जानकारी के अनुसार विद्यालय से छात्रों को घर छोड़ने जा रही बस मड़करा पुरैना देवरी मार्ग पर मसमा सी गांव के पास अचानक रुक गई। बस में डीजल खत्म हो जाने के कारण करीब आधा घंटे तक बच्चे सड़क पर ही फंसे रहे। घटना की जानकारी मिलने पर चालक ने रामनगर से डीजल मंगवाया, जिसके बाद बस दोबारा रवाना हो सकी। ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि स्कूल बसों का संचालन ठेकेदार के भरोसे चल रहा है, जो न तो समय पर बसों की मरम्मत कराता है और न ही डीजल की पर्याप्त व्यवस्था करता है। अक्सर ऐसी समस्याएं सामने आती रहती हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

**तो किसी भी समय हो सकती है अनहोनी**-विद्यालय प्राचार्य विसेन ने बताया कि बसों का संचालन संविदाकार के अधीन है। उनकी लापरवाही के कारण ही ऐसी परेशानियां आती हैं। उन्होंने कहा कि, आज की घटना में बच्चों से कहा गया कि चाहें तो नजदीकी छात्र उतरकर घर जा सकते हैं। वैसे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं।

यह स्थिति इस ओर इशारा करती है कि जब बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामले में लापरवाही बरती जाएगी तो किसी भी समय अनहोनी हो सकती है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करे और बस संचालन की व्यवस्था पर सख्ती से निगरानी रखे।

# प्रदेश में हैप्पीनेस के पैमाने का मूल्यांकन कराएगी सरकार, आनंद ग्राम भी बनाए जाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य सरकार हैप्पीनेस के पैमाने का मूल्यांकन कराएगी। इसके लिए आइआइटी खड़कपुर का सहयोग लिया जाएगा। इसके तहत शहरी और ग्रामीण आबादी की जीवनशैली व प्रसन्नता के स्तर का अध्ययन किया जाएगा। लोगों में निराशा का भाव यानी डिप्रेशन क्यों बढ़ रहा है, इसे कैसे दूर किया जा सकता है, इसके सुझाव भी लिए जाएंगे।

इसके अलावा गांवों को आनंद ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ऐसे ग्राम, जहां सद्भावना, भाईचारा, परस्पर सहयोग और आनंद का भाव प्रमुख हो, उन्हें उदाहरण के रूप में सामने लाया जाएगा।

तनाव मुक्ति और आनंदित व्यवहार के प्रशिक्षण के लिए ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, शहरी क्षेत्र में नगर निगम और नगर पालिका के कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी शामिल किए जाएंगे। इसी तरह वैचारिक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए हर जिले में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सहयोग से एक आनंद केंद्र बनाया जाएगा। आनंद कार्यों के लिए बुजुर्गों की सेवाएं भी ली जाएंगी। इस कार्य में सहयोग के लिए आईआईटी खडगपुर ने सहमति दे दी है। प्रत्येक जिले में बनाए जा रहे आनंद केंद्र

वैचारिक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रत्येक जिले में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सहयोग से एक आनंद केंद्र भवन बनाया जा रहा है। ये भवन मांगलिक भवन से भिन्न होंगे। यहां शहर के प्रबुद्ध वर्ग के साथ आम नागरिकों की उपस्थिति में रचनात्मक कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। आनंद विभाग अपनी गतिविधियों का संचालन, खेल, स्कूल, उच्च शिक्षा विभाग और जन अभियान परिषद जैसी संस्थाओं का सहयोग लेकर संयुक्त रूप से करेगा।

व्यक्ति के आनंद के लिए विभिन्न नगरों में कार्य करने वाली संस्थाओं के कार्यों का अध्ययन कर सूचीबद्ध किया जाएगा, जिससे अन्य शहरी क्षेत्रों में भी ऐसे सामाजिक कार्य किए जा सकें। यही नहीं महापुरुषों पर प्रकाशित कृतियों को स्कूल कालेजों के विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रतिवर्ष 14 से 28 जनवरी की अवधि में आनंद उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें अब तक 22 लाख से अधिक लोग सहभागिता कर चुके हैं।

आईआईटी खड़गपुर की सेवाएं ली जाएंगी

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में हैप्पीनेस के पैमाने का मूल्यांकन कराया जाएगा। इसके लिए आईआईटी खड़गपुर की सेवाएं ली जाएंगी। प्रत्येक जिले में आनंद केंद्र बनाए जा रहे है। वहीं गांवों को आनंद ग्राम बनाने की योजना पर भी काम कर रहे हैं।

**- आशीष कुमार, सीईओ, मप्र राज्य आनंद संस्थान।**

# विंध्य के तीन जिलों में सोने की खदान, लेकिन प्रोसेसिंग यूनिट एक भी नहीं

जबलपुर। सिंगरौली, कटनी और अब जबलपुर भी सोने का भंडार मिला है। सिहोरा में 150 एकड़ में यह संपदा मौजूद है। इसके पूर्व कटनी में 16 एकड़ में और सिंगरौली में करीब 100 एकड़ में सोने-चांदी की मौजूदगी मिली है, लेकिन इन खनिजों को निकालने के बाद रिफाइंड के लिए प्रदेश में एक भी प्रोसेसिंग यूनिट नहीं है। इसिलए इन खनिजों को कर्नाटक भेजा जाएगा।

खनन और उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि जब तक कटनी और जबलपुर में सोने-चांदी की प्रोसेसिंग यूनिट नहीं लगती, तब तक इन खदानों का फायदा आम लोगों को नहीं होगा। न तो रोजगार बढ़ेंगे और न ही व्यापार। हालांकि खनिज विभाग का कहना है कि तीनों जिलों में सोने-चांदी की उपलब्धता को देखते हुए यहां प्रोसेसिंग यूनिट लगाना ही होगा। इन खदानों को लीज पर लेने वाली कंपनी प्रोसेसिंग यूनिट लगाएगी।युवाओं और महिलाओं के साथ व्यापारी-ग्राहकों को भी फायदा

कटनी के खनिज विभाग के प्रभारी डा. रत्नेश दीक्षित के मुताबिक खदानों में मौजूद चट्टानों को तोड़कर उसमें से न सिर्फ सोना, बल्कि चांदी, कापर, जिंक और लेट भी अलग-अलग किया जाएगा। इसके लिए प्रोसेसिंग यूनिट होना अनिवार्य है। प्रोसेसिंग यूनिट में धातुओं को शुद्ध करने के लिए रासायनिक और भौतिक प्रक्रिया होती है। अशुद्ध सोने या चांदी को अलग करके उच्च ताप में शुद्ध धातु निकाली जाती है।

सोने या चांदी के कणों को पारे में घोला जाता है, जिससे अमलगम नामक मिश्र धातु बनती है। इस तरीके से छोटी मात्रा में धातु को केंद्रित किया जाता है। इसके बाद इसे पिघलाकर अशुद्धियों को हटाते हैं। इसके बाद इसमें सबसे पहले रासायनिक विधियों के उपयोग से सोने और चांदी की मिश्र धातु से चांदी को अलग करने के लिए नाइट्रिक एसिड का उपयोग किया जाता है। प्रोसेसिंग यूनिट लगने से युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलेगा, व्यापारियों को शुद्ध और कम दाम में सोना-चांदी उपलब्ध हो पाएगा।

एक नजर में खदानें जबलपुर

सिहोरा तहसील के महगवां केवलारी क्षेत्र में सोने की खदान मिली है।

यह खदान करीब 60 हेक्टेयर यानी लगभग डेढ़ सौ एकड़ में मौजूद है।

क्षेत्रीय खनिज विभाग के भूगर्भवैज्ञानियों की खोज में यह जानकारी लगी।

जमीन में करीब 200 मीटर की खुदाई करने के बाद ही इसका सही आंकलन होगा।

**कटनी**-स्लीमनाबाद तहसील से लगे इमलिया गांव के जमीन में सोने की खदान मौजूद है।

इस खदान को प्रोस्पेक्ट रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड मुंबई को लीज पर दे दिया गया है।

भूप्रवेश की अनुमति के बाद अब वह जल्द ही जमीन से सोने का खनन करेगी।

कंपनी यहां से करीब 300 किलो सोना और 15 टन चांदी निकालेगी।

लीज लेने वाली कंपनी प्रोसेसिंग यूनिट लगाएगी

जबलपुर के सिहोरा से लगे केवलारी में करीब 60 हेक्टेयर में सोने की खदान मौजूद है, लेकिन यहां, यह कितनी मात्रा में किस गुणवत्ता का है इसकी जांच की जा रही है। इसके बाद ही इसे लीज पर दिया जाएगा।

# दुबई, यूएसए और यूके से आए भक्त भी दिनभर रम रहे भक्ति के आनंद में

## आचार्य श्री के आसन के दर्शन कर भी धन्य महसूस कर रहे भक्त

इंदौर। कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में इंदौर में चल रहे 'अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' में न केवल इंदौर और आसपास, बल्कि विदेशों में बसे उनके भक्त भी भक्ति लाभ ले रहे हैं। कोई यहां यूएसए से आए हैं, तो कोई दुबई से सीधी उड़ान लेकर यहां पहुंचे हैं और आयोजन के अंतिम दिन तक आचार्यश्री की सेवा में भक्तिभाव से लीन रहेंगे।

ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में हो रहा है। शुक्रवार को पांचवें दिन भी सुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ी, जो देर रात तक जारी रही। सुबह विशेष साधना के बाद महायज्ञ और फिर देवी भागवत कथा और आचार्यश्री के प्रवचन का श्रवण भक्तों ने किया। कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने बताया कि नवरात्रि के पांचवें दिन माँ स्कंदमाता की आराधना की जाती है। वे भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की माता हैं, इसलिए इन्हें स्कंदमाता कहा जाता है। माँ का स्वरूप करुणा, मातृत्व और भक्ति का प्रतीक है। माना जाता है कि मां स्कंदमाता की पूजा से भक्त को संतान सुख, समृद्धि और भक्ति का वरदान प्राप्त होता है, जो साधक माँ की शरण में आता है, उसका जीवन प्रेम, शांति और सुख से परिपूर्ण हो जाता है और माँ का आशीर्वाद साधक को दिव्य तेज, ज्ञान और मुक्ति की ओर अग्रसर करता है। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना के बाद काशी से आए 145 विद्वान पंडितों ने 1 करोड़ कुमकुम अर्चन में से 10 लाख कुमकुम अर्चन की आराधना की। दोपहर 3 से 6 बजे तक विशेष महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई, जिसमें देश-विदेश से आए अनुयायियों के साथ शहर और आसपास के सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष शामिल हुए।

गुरु की महिमा ले आई हजारों किलोमीटर दूर से इंदौर - दुबई से गुरुजी के अनुयायी दीपक जैन भी आए हैं, जो मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां 25 साल से गुरुजी को मानती हैं और वह खुद 20 साल से गुरुजी के अनुयायी है। दीपक ने बताया कि गुरु जी के बारे में बहुत सुना था। मां जब जाने लगी और हम भी गए, तो वहां के मंदिर मात्र दर्शन से ही हमने अपने परिवार में एक बड़ा बदलाव देखा। उसके बाद हमारा छोटा काम बढ़कर 13 देशों में फैला और गुरुजी के ही आशीर्वाद से अब और भी बड़ा होगा। दीपक नवरात्रि के पहले ही दिन से यहां मौजूद है और आखिर दिन तक रहेंगे।

यूएसए के शिकागो के पास से अशोक संघवी भी यहां पहुंचे हैं। मूल रूप से गुजरात के रहने वाले अशोक संघवी की मुलाकात आचार्यश्री से उनके शिकागो के प्रवास के दौरान हुई थी। संघवी, अमेरिका में जैन विधि से पूजन करवाते हैं। वह मां पद्मावती पूजन के लिए कुछ ढूंढ रहे थे और संयोग से आचार्यश्री के वीडियो मिले और फिर उनसे अमेरिका में मिलने का मौका मिला। अब उनका पूरा परिवार आचार्यश्री की सेवा करता है और वह कई बार कृष्णगिरी भी आ चुके हैं। संघवी ने बताया कि जब तक आचार्यश्री का आदेश होगा, तब तक वह यहां रखेंगे, क्योंकि उन्होंने ही याद किया है, इसलिए वह इंदौर पहुंचे हैं।

मंत्री पहुंचे आशीर्वाद लेने - शुक्रवार को महायज्ञ के दौरान मध्यप्रदेश के पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पंडित सुमित भट्ट भी पहुंचे और आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया।

### राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह एवं संगीत संध्या का आयोजन 27-28 सितम्बर को

इंदौर। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण एवं संगीत संध्या का आयोजन 27 एवं 28 सितम्बर 2025 को लता मंगेशकर सभागार वी.आई.पी. परस्पर नगर इन्दौर में आयोजित किया जाएगा। 27 सितम्बर को स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य कार्यक्रम 28 सितम्बर को होगा। मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने बताया कि शनिवार, 27 सितम्बर को शाम 7 बजे समारोह का शुभारंभ होगा। प्रथम दिवस अमर लता हमारी लताज सुगम-संगीत संध्या का आयोजन होगा, जिसमें प्रमुख कलाकार सृष्टि जगताप, निष्ठा कंडारा, शुभ्रा अग्निहोत्री, मानसी पाण्डे, साना जैन गुरुषा दुबे, स्वरांश पाठक, कार्तिक जोशी, अपर्णा सेन, सनाया दहाले, मोना ठाकुर और हर्षद शेंवगांवकर द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। समारोह में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

# माहेश्वरी कुटुंब परिवार ने हजारों सदस्यों ने निकली ऐतिहासिक चुनरी यात्रा

## मां कालिका और शेर की प्रतिकृति रही आकर्षण का केंद्र

इंदौर। माहेश्वरी कुटुंब संस्था परिवार की ऐतिहासिक चुनरी यात्रा पश्चिमक्षेत्र में निकाली गई, परिवार, समाज ओर नई पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने के लिए परंपरागत चुनरी यात्रा में हजारों समाज जनों की सहभहिता रही, ऊषा नगर महालक्ष्मी मंदिर से उमा महेश ओर मां अन्नपूर्णा जय कारो के साथ चुनरी यात्रा प्रारंभ हुई, यात्रा का जगह जगह स्वागत सत्कार हुआ। यात्रा में विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड और कई जनप्रतिनियों के साथ वरिष्ठ समाज सेवियों की सहभागिता रही, मां अन्नपूर्णा को 201 मीटर की भव्य चूनर भेट कर समापन पर हजारों लोगों ने की प्रसादी का दौर दोपहर 4 बजे तक

चला। संस्था माहेश्वरी कुटुंब परिवार के संस्थापक अध्यक्ष शारदा प्रकाश अजमेरा ने बताया ठीक परंपरागत मां अन्नपूर्णा को भव्य चुनरी भेट की, इसके पहले ऊषा नगर महालक्ष्मी मंदिर पर सुबह-सुबह माहेश्वरी कुटुंब था परिवार के परिजन हजारों की संख्या में यहां 8 बजे से पहुंचना शुरू हो गए थे ठीक 9-30 बजे यहां से ऐतिहासिक चुनरी यात्रा का शुभारंभ हुआ, ऊषा नगर , नरेंद्र तिवारी मार्ग , अन्नपूर्णा मार्ग होते ही 11.15 बजे यात्रा मां अन्नपूर्णा मंदिर पर पहुंची। यात्रा मार्ग में एक दर्जन से ज्यादा मंचो से प्रसादी वितरण किया गया। अनेक स्थानों से पुष्प वर्षा हुई, माहेश्वरी कुटुंब परिवार महिलाएं लाल रंगी चुनरी और पुरुष सफेद कुर्ते पजामे पहने हुए यात्रा में माता रानी का जय घोष कर रहे थे। यात्रा मैं बैंड बाजे और भजन मंडियों ने समा बांध रखा, मां कालिका का रूप धारण किए नृतक सबको अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गोड,शारदा प्रकाश अजमेरा

मनोज छापरवाल, रामस्वरूप धुत, महेश तोतला, श्याम भांगड़िया, मोहन सोमानी, आशीष बाहेती,जीतू राठौर, बबलू शर्मा, शिखा दुबे, हरिनारायण यादव, पप्पू ठाकुर, पं. पवन तिवारी, पुष्प माहेश्वरी, गोपालदास राठी आदि की पूरे आयोजन में विशेष उपस्थिति रही।

# शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत- मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों का जीवन और अधिक सरल, सहज और सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं नागरिकों और समाज को न केवल मजबूत करती है बल्कि उन्हें जिम्मेदार भी बनाती हैं। इसी दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों का विकास उनकी तासीर और विशिष्ट पहचान के अनुरूप किया जा रहा है। शहरों के विकास में हम वहां की धरोहरों और विरासतों का भी ध्यान रख रहे हैं। ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। अर्बन डेवलपमेंट के लिए कार्बन उत्सर्जन पर पूर्ण रोक लगाना एक बिग टास्क है। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

# संभागायुक्त डॉ. खाड़े की अध्यक्षता में आईसीसी महिला वर्ल्ड कप-2025 की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

## इंदौर में 13वां महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का पहला मैच एक अक्टूबर को

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर को 13वें महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप-2025 में पांच मैचों की मेजबानी का अवसर मिला है। एक दिवसीय महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों के संबंध में आज संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों और नगर निगम के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर आने वाली चार देशों की महिला क्रिकेट टीमों व स्टाफ की व्यवस्था एवं सुविधाएं आईसीसी द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार करने के निर्देश दिए है। वहीं वाहन पार्किंग और स्टेडियम तथा बाहर की ओर

सफाई उच्च स्तर के साथ करने को कहा है। नगर निगम के अमलों को समय-समय पर फोगिंग, डॉग स्कॉड्स और सड़कों के पेवर्स आदि समुचित ढ़ंग से आवश्यक सुधार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, उपायुक्त श्रीमती सपना लोवंशी, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, पुलिस एसीपी श्री पराग सैनी, मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्री सुधीर असनानी, श्री रोहित पंडित, मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष श्री संजीव दुआ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

### सिंहस्थ-2028 के लिए भांग्या और मगरखेड़ा की सड़क नींव का पत्थर साबित होगी - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मेरे सांवेर वासियों को 2019 में मिले आशीर्वाद के बाद जनवरी 2019 से लेकर आज दिनांक तक सांवेर विधानसभा में लगभग 974 करोड़ रूपये लागत की 906 किलोमीटर की 185 सडकों की स्वीकृति कराई गई है। इसमें भांग्या और मगरखेड़ा की सड़क भी शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह को धन्यवाद देता हूँ। आज लगभग साढे 3 करोड़ रूपये की लागत से नई बनने वाली और बन चुकी सडकों का भूमिपूजन-लोकार्पण करने आया हूँ। आज जो शंखेश्वर से भांग्या की सड़क का लोकार्पण करने आया हूँ, इसकी लागत लगभग 1 करोड़ 40 लाख रूपये है, इस सडक की बहुत मांग थी। इस सड़क के बन जाने से 10 गांवों- जाख्या, जस्सा कराडिया, शक्करखेडी, पंचडेरिया, बजरंग पालिया, कैलोदहाला, भानगढ, भवरासला के 50 हजार से ज्यादा नागरिकों को लाभ होगा और सिंहस्थ 2028 के मान से यह सड़क नींव का पत्थर साबित होगी। श्री सिलावट शुक्रवार को सांवेर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत भांग्या-मगरखेडा सड़क के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्राम पंचायत भांग्या और मगरखेडा में करीब 5-5 करोड़ रूपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन-लोकार्पण हुए हैं। यहां पर सीसी रोड, नाली, पुलिया, स्ट्रीट लाईट, सामुदायिक भवन, पीएम आवास, आंगनवाडी भवन, शौचालय, श्मशान घाट का निर्माण किया गया। इन दोनों गांवों में कचरा प्लांट और शेड, कचरा गाडी और डीपी और पूरे गांव में लाईट लगाने का कार्य किया गया। जल जीवन मिशन के द्वारा भांग्या और मगरखेडा में 2 करोड़ रूपये की लागत से पानी की टंकी बनाई गई है। पानी का टेंकर भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज मैं विकास की बात करने आया हूँ।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

# 'वोकल फॉर लोकल थीम पर आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह सदस्यों का बुनाई कताई प्रशिक्षण का शुभारंभ

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार में सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कुटीर खादी ग्रामों उद्योग के समन्वय से आजीविका मिशन जिला पंचायत द्वारा जिले के आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहो सदस्यों को एक माह का बुनाई कतई प्रशिक्षण का शुभारंभ ग्राम किठोदाराव में नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव द्वारा माता सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती कलावती यादव द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की और घर पर रहते हुए बुनाई कताई कार्य में माध्यम से आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की लखपति दीदी योजना की जानकारी देते हुए लखपति दीदीयो में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला अधिकारी व विकासखंड के कर्मचारी, कुटीर ग्रामोद्योग विभागों के राज्य कार्यालय से आए अधिकारी एवं जिला अधिकारी तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह सदस्य, ग्राम के सरपंच एवं उप सरपंच आदि उपस्थित रहे।

## गुर्जर समाज ने सीएम के नाम तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सोपा

उज्जैन । विगत दिनों मध्य प्रदेश के हरदा जिले में करणी सेना व पुलिस के बीच झडप हुई थी ,जिसके बाद पुलिस द्वारा लाठी चार्ज द्वारा किया गया था । जिसमे सभी अधिकारियो को दरकिनार कर सिर्फ प्रभारी थाना प्रभारी अनिल गुर्जर को करणी सेना परिवार टारगेट कर रखा है । जबकि गुर्जर ने अपने वरिष्ठ अधिकारियो के आदेश का पालन किया था । लेकिन दुर्भावनावश करणी सेना परिवार के जोवन सिंह शेरपुर लगातार सिर्फ गुर्जर को ही टारगेट कर शासन प्रशासन पर कार्यवाही का दबाव बना रहे है । घटना के बाद से ही गुर्जर लाइन अटैच है उन्हें बहाल किया जाए।

श्री देवसेना के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मिलन गुर्जर के नेतृत्व में गुर्जर समाज के सैकड़ो की संख्या में समाजजनों ने सीएम के नाम आईजी के प्रतिनिधि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सोपा। जिसमें प्रभारी थाना प्रभारी अनिल गुर्जर पर किसी भी प्रकार के दबाव में कार्रवाई न की जाए, यदि कार्रवाई की जाए तो वह मोजूद सभी अधिकारियों पर की जाए, नहीं तो राजस्थान की तर्ज पर पूरे मध्य प्रदेश में उग्र आंदोलन करने में बाध्य होना पड़ेगा। साथ ही मध्य प्रदेश में लगातार जातिगत द्वेष घुलता जा रहा है जो की संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है भविष्य में किसी पर भी एक पक्षीय कार्रवाई नहीं की जाए। तथा वही उत्तर प्रदेश में शांतिपूर्ण रूप से धरना दे रहे राष्ट्रीय गुर्जर स्वाभिमान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी व उनके साथियों की पर की कार्यवाही , अन्य किसी पर भविष्य में ना हो। इस अवसर पर गुर्जर स्वाभिमान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गुर्जर, रामप्रीत गुर्जर, सरपंच लाड़ सिंह गुर्जर, सरपँच नीलेश गुर्जर , लखन गुर्जर ,मयूर गुर्जर,वीरेंद्र गुर्जर, जतिन गुर्जर ,ओम गुर्जर आदि मौजूद रहे।

## मोटर स्पेयर पार्ट्स की प्रदर्शनी लगाकर व्यापारियों को दी जानकारी

उज्जैन। इंदौर रोड स्थित होटल में जानकी इंडस्ट्रिज ऑथोराइज्ड डीस्ट्रीब्युटर एवं तैयबी मशीनरी द्वारा संभागीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित संभागीय कार्यक्रम में जानकी इंडस्ट्रीज और तैयबी मशीनरी ने अपने मोटर स्पेयर पार्ट्स की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के डीलर एवं मैकेनिक शामिल हुए और कंपनी के डायरेक्टर ने व्यापारियों को मशीन के पार्ट्स और उनकी विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक यूसुफ बादशाह एवं बुरहानुद्दीन बादशाह ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकोट से उज्जैन आए रजनी कांत, सागर भाई खूंट, तैयबा अली भाई उपस्थित थे।

## मॉ हरसिद्धि के परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

उज्जैन। श्री हरसिद्धि भक्त मंडल के तत्वाधान में नव दुर्गा नगर में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत माँ हरसिद्धि मच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की बेला मे निनाद नृत्य अकादमी निर्देशिका सुश्री पलक पटवर्धन के निर्देशन मे सास्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई माँ हरसिद्धि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ भक्त मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया निनाद नृत्य अकादमी के कलाकारों द्वारा गणेश वंदना,मेरी पूजा कर स्वीकार, ऐसा डमरू बजाया, चटके चुमरली, शंकर अति प्रचंड, माता कालिका, नाचे गिरधारी ,नागेन्द्र हारा आदि सुमधुर धार्मिक गीतों पर प्रस्तुतिया देकर दर्शको का मन मोहा अतिथियों का स्वागत प्रमेंद यादव, संतोष जाधव, पवन नागर , श्रीमती रानी दुबे कल्पना नायक ने किया इस अवसर पर मंडल के शिव नारायण चौबे राजेंद्र जोशी ज्ञानेश्वर दुबे गोपाल व्यास विरेंद शर्मा राजेश अखंड राजेश नागर अवधेश माथुर एवं कार्यकारिणी के समस्त सदस्य मौजूद थे।

# मनरेगा अभियंता संघ मध्यप्रदेश ने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया

उज्जैन। कलेक्टर को मनरेगा अभियंता संघ मध्यप्रदेश ने शुक्रवार को अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। प्रांतीय अध्यक्ष इंजीनियर सतीश सेमेल ने बताया कि प्रदेश के 1335 मनरेगा उपयंत्री (संविदा) अपने हित की 8 सूत्रीय मांगो को लेकर विगत 35 दिन से (पहले 10 दिन के सामुहिक अवकाश इसके उपरांत कलम बंद आंदोलन) मनरेगा अभियंता संघ के बैनर तले शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलनरत है।

इस दौरान मनरेगा अभियंता संघ का प्रतिनिधि मंडल पंचायत मंत्री, अपर मुख्य सचिव , कमिश्नर से अपनी 8 सूत्रीय मांगों को अवगत कराया चुका है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आदेश जारी करने के आश्वासन देकर केवल बात को टाला जा रहा है। साथ ही विगत 3 माह से मनरेगा अभियंताओ को वेतन भी नही दिया गया। इस से प्रदेश के मनरेगा के 1335 उपयंत्री मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ित महसूस कर रहे है।

अभी तक मनेरगा के उपयंत्री शांति पूर्ण, गांधीवादी तरीके से आंदोलनरत है। लेकिन अब तक कोई उचित परिणाम ना मिलने पर, एवं अधिकारियों द्वारा मांगों पर ध्यान ना देने के कारण मनरेगा के 1335 अभियंता 8 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु आंदोलन को उग्र रूप देने पर विवश है।

अगर मनरेगा अभियंताओं की प्रमुख मांगे वेतन विसंगति, वरिष्ठता के आधार पर सहायक यंत्री का प्रभार, अनुकंपा नियुक्ति, ग्रेच्यूटी एव संविदा समाप्ति की जगह निलंबन के आदेश आगामी 5 दिवसों में जारी नहीं किए जाते तो हम चरणबध्द उग्र आंदोलन करने पर विवश होंगे।

मनरेगा के उपयंत्री विगत 15 वर्षो से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत है। वर्ष 2023 मे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश के सभी साथियों को भोपाल बुलाकर घोषणाएं की गई थी। जिसके अनुक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संविदा नीति 22 जुलाई 2023 नीति जारी की गई थी। जो कि मनरेगा में लागू नहीं की गई।

जबकि अन्य विभाग (स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, पाठ्य पुस्तक निगम इत्यादि) द्वारा अपने संविदा कर्मचारियों के लिए 22 जुलाई 2023 नीति लागू कर दी गई है।

इस से मृत संविदा उपयंत्री के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति के रूप में सहायता मिल जाती, रिटायर्ड हुए संविदा कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ मिल जाता, दुर्घटना में दुर्घटनाग्रस्त संविदा उपयंत्री को दुर्घटना बीमा की सहायता मिल जाती । प्रदेश के 1335 अभियंताओं की 8 सूत्रीय मांगों पर विचार करते हुए शीघ्र निराकरण करने की कृपा करे।

ज्ञापन देने वालों में संघ के गजेन्द्र कुमार ,शेख सिद्दीकी,अनिल पांडे ,विनय जायसवाल,पवन मालवीय सहित संघ के अन्य सदस्य मौजूद रहे ।

## स्टार्टअप विचारों को सफल स्टार्टअप में रूपांतरित करने पर हुई कार्यशाला

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन सेंटर, स्मार्ट सिटी के उज्जैन इन्चुबेशन सेंटर एवं कंप्यूटर विज्ञान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सेवा पखवाडा के अंतर्गत विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था ÷मध्यप्रदेश में स्टार्टअप अवसरों की खोज एवं विद्यार्थियों के विचारों को सफल स्टार्टअप में रूपांतरित करना।÷

कंप्यूटर विज्ञान संस्थान में डिजिटल होराइजन-2025 डिजिटल कार्यक्रम के अंतर्गत इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो अर्पण भरद्वाज ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷किसी भी स्टार्टअप की सफलता में केवल विचार ही नहीं, बल्कि उसका बाज़ार से जुड़ाव और विपणन रणनीति भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। युवा अपने विचारों को व्यवहारिक बाज़ार से जोड़कर देखें, तभी वे टिकाऊ और सफल उद्यम बना पाएँगे।÷ कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. उमेश कुमार सिंह, निदेशक, विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन सेंटर ने रखते हुए विश्वविद्यालय में स्टार्टअप एवं नवाचार की दिशा में हुए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से अब तक 20 से अधिक स्टार्टअप्स का संवर्धन किया गया है, 40 से अधिक पेटेंट स्वीकृत हुए हैं, तथा दो स्टार्टअप्स को लगातार दो वर्षों तक प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित कर बीज धन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियाँ स्वयं इस बात का प्रमाण हैं कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ उद्यमिता की दिशा में नई ऊँचाइयाँ छू रहे हैं।

मुख्य अतिथि अर्नब दुबे, मार्केटिंग हेड, एमपी स्टार्टअप सेंटर, भोपाल ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आई है। राज्य सरकार द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ एवं सहायता उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com